वर्ष 2023 ई.पू

एडेल अली अल ओफ़्री द्वारा। बेंगाजी. 19-10-2023

بِسْمِ اللهِ الرَّحْمنِ الرَّحِيمِ

अब हम दूसरी सहस्राब्दी ईसा पूर्व और आखिरी के कांस्य युग में हैं... एक परेशान दुनिया और नई संस्कृतियाँ अपनी स्वतंत्र इकाई बनाने के लिए संघर्ष कर रही हैं... आइए राजा द्वारा शासित फैरोनिक मिस्र से शुरू करें। केंद्रीय राज्य का पहला राजा, जो अभी भी नील घाटी को एकजुट करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है, एक ऐसा देश जो एक बड़ी राजनीतिक उथल-पुथल से उभरा है। हम पाते हैं कि मिस्र के राजा अपने देश की सीमाओं को मशवॉश, ताहनू और लीबियाई लिपो जनजातियों से बचाने के लिए और अधिक प्रयास कर रहे हैं, जो हर समय मिस्र के सीमावर्ती कस्बों और कस्बों पर हमला करते हैं... हम अफ्रीकी महाद्वीपों और अमेरिका में उभरती संस्कृतियों को प्रतिस्पर्धा करते हुए देखते हैं और उनमें से कुछ से लड़ना, चाहे अगाडिस और उसके पड़ोसियों के बीच, या एंडीज़ के आसपास के कृषक ग्राम समुदायों में... या तो ईरानी पठार में, ऑक्सास अपने इराकी पड़ोसियों की आकांक्षा ...के बारे में चिंतित है

ऑर और येलमी-असीरियन-बेबीलोनियों के लोगों से, प्राचीन सीरिया के अमूरी लोग हर दिन फिलिस्तीन, जॉर्डन और लेबनान में नई जगहों पर घुस जाते हैं... सुदूर पूर्व में भी यह शांत नहीं था। अपेक्षाकृत शांति का एकमात्र स्थान दक्षिण अरब द्वीप, प्राचीन यमन था। इसकी विविध संस्कृति ने उनमें एक प्रकार की राजनीतिक और सामाजिक समझ पैदा की। (यहूदी) जो मूल रूप से उस स्थान पर रहने वाली एक साधारण जनजाति थे। एजियन सागर, फ्रांस, जर्मनी और आज के ब्रिटेन की संस्कृतियों को छोड़कर अज्ञानता और अंधेरे में कांस्य यूरोप को नई नस्लें, पलायन, अपरिवर्तनीयता और यहां तक कि विकास भी नहीं मिल रहा था।

अंत में, हम देखते हैं कि 2023 ईसा पूर्व एक अशांत वर्ष था, विशेष रूप से पुराने निकट पूर्व (अब मध्य पूर्व) में, जहां राष्ट्र ज्ञात दुनिया के दिल पर हावी होने के लिए

बाध्य हैं। कांस्य से सुसज्जित सेनाएँ, संस्कृतियाँ टकराती हैं। सत्ता का अस्तित्व... राजनीतिक और भौगोलिक रूप से अशांत 2023 क्रिसमस वर्ष... एक ही ध्रुव द्वारा शासित है... शैतानी छाया ज़ायोनी सरकार... जो दुनिया की सभी सरकारों, बैंकों और अर्थव्यवस्थाओं को नियंत्रित करती है... एक ऐसी सरकार जो सदियों से अपने पड़ोसियों की घुसपैठ से डरने वाली एक साधारण बेडौइन जनजाति से एक छिपी हुई शक्ति के रूप में विकसित हुई है जो पैसे पर नियंत्रण रखती है और नील से यूफ्रेट्स तक 200 के दशक के सिय्योन खूनी पर नियंत्रण करती है... एक बेशर्म योजना... को अंजाम दिया जा रहा है सभ्य दुनिया की आंखों के सामने फ़िलिस्तीन की भूमि पर, दोहरेपन की बीमारी, सिज़ोफ्रेनिया और होलोकॉस्ट कॉम्प्लेक्स। आज के राजनेता कल जैसे नहीं हैं. आज की कठपुतलियाँ फ़िलिस्तीनी नरसंहार को देखती हैं और अपना सिर रेत में डाल देती हैं, लेकिन कब तक? सिय्योन के बुद्धिमानों के बर्टुकुल में प्रकाशित ज़ायोनीवादी योजना को अरबों के बाद क्रमिक रूप से लागू किया जाएगा। यूरोपीय और एशियाई सहित पड़ोसी देशों की भूमिका... ज़ायोनीवादियों का लक्ष्य उन लोगों के लिए आता है जो अन्य देशों से नहीं जानते हैं... गैर-यहूदियों को गुलाम बनाना... क्योंकि वे कम मूल्यवान और मानवीय हैं... बस देखो.... आपकी भूमिका आ रही है... और जल्द ही।

:अरबी पाठ देखें

https://archive.org/details/2023_20231021